बॉलीवुड

सिनेमा से
● रिपोर्टर

सोनाक्षी की परवरिश पर बोले थे मुकेश खन्ना, अब हो रहा पछतावा, चुप रहने का किया वादा!

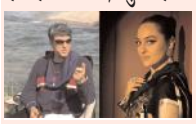

मुंबई। एक्टर मुकेश खन्ना ने एक इंटरव्यू में सोनाक्षी सिन्हा के सालों पुराने विवाद को फिर से घसीटा। एक्ट्रेस ही नहीं उनके पिता पर भी तंज कसा। मुकेश के मुताबिक, रामायण से जुड़े सवाल का जवाब न दे पाने में सोनाक्षी की नहीं बल्कि उनके पिता शत्रुघ्न सिन्हा की गलती थी। बस फिर क्या था। पिता का जिक्र होने पर सोनाक्षी भड़कीं। उन्होंने लंबा चौड़ा पोस्ट लिखकर दिग्गज एक्टर की आलोचना की। मुकेश खन्ना को चेतावनी देते हुए कहा कि वो उनके पिता की परवरिश पर सवाल न उठाएं। इस पूरे मुद्दे पर मुकेश खन्ना ने रिएक्ट किया है। एक्टर ने कुबूला कि उन्हें ये मैटर इतना नहीं घसीटना चाहिए था। इसका उन्हें पछतावा है।

ऑस्कर्स की रेस से बाहर 'लापता लेडीज', आमिर खान बोले- 'ये अंत नहीं शुरुआत है'

मुंबई। एंटरटेनमेंट की दुनिया से एक काफी निराश कर देने वाली न्यूज सामने आई थी। आमिर खान की फिल्म 'लापता लेडीज' ऑस्कर्स की रेस से बाहर हो गई। उनके प्रोडक्शन में बनी ये फिल्म 97वें एकेडमी अवॉर्ड्स में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी में इंडिया की ऑफिशियल एंट्री थी। मंगलवार को एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर्स आर्ट्स एंड साइंसेज ने अगले राउंड के लिए सेलेक्ट होने वाली 15 फिल्मों की अनाउंसमेंट की जिसमें किरण राव के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'लापता लेडीज' शॉर्टलिस्ट नहीं हो पाई। अब 'लापता लेडीज' को अकादमी अवॉर्ड्स की शॉर्टलिस्ट से बाहर होने पर आमिर खान प्रोडक्शंस ने अपनी दी प्रतिक्रिया है।

'काम मिलेगा पर...' जब सुपरस्टार ने एक्ट्रेस ईशा शरवानी के सामने रखी शर्त

● मंथन संवाददाता

मुंबई। विवेक ऑबेरॉय की 'किसना' फेम एक्ट्रेस ईशा शरवानी पिछले काफी समय से इंडस्ट्री से दूर हैं। एक्ट्रेस ने कास्टिंग काउच का जिक्र करते हुए बताया कि उन्हें सुपरस्टार ने साथ में सोने के लिए कहा गया था। बॉलीवुड में ऐसी कई एक्ट्रेसेस हैं, जिन्होंने काम की आड़ में बहुत कुछ झेला है। सालों तक डर की वजह से कुछ सितारों ने चुप्पी साधे रखी, लेकिन सालों बाद उसपर चुप्पी तोड़ अपने मन का गुबार निकाल डाला। बेहद प्यारी दिखने वाली ये हसीना अब फिल्मी पर्दे से दूर है। आखिरी बार उन्हें 'करीब-करीब सिंगल' में देखा गया था। ईशा ने इस घटना का जिक्रकरते हुए बताया कि एक मेल एक्टर से ऐसी शर्त के बारे में सुनकर वह हैरान रह गई थीं और बेहद डर भी गई थीं। सिद्धार्थ कनन ने जब ईशा से पूछा कि उन्होंने इस डिमांड पर कैसे रिएक्ट किया तो ईशा ने बताया, 'मैं बस वहां से धीरे से उठी और वहां से भाग गई। इसके बाद मैंने उन्हें कॉल किया और मना कर दिया। मैं फिजीकली हर्ट नहीं होना चाहती थी। उसकी बातों को सुनकर मेरे मन में तब बस यही बात चल रही थी कि उठो और भागो।

अनोखी ख़बरें

दुनिया का सबसे बड़ा गिरजा घर स्पेन में

दुनिया का सबसे बड़ा गिरजा घर स्पेन के सेबिया शहर में स्थित है। इस गिरजाघर का नाम cathedral de Santa Maria dela sede है। एक कैथोलिक गिरजाघर है। इसका निर्माण सन 1507 में किया गया था। इस का कुल क्षेत्रफल 13500 वर्ग मीटर है। इसकी लंबाई 135 मीटर (440 फीट) और चौड़ाई 100 मीटर (330 फीट) है। इसके शिखर की ऊंचाई 42 मीटर (135 फीट) है। ऐसा माना जाता है कि सेबिया गिरजाघर को शहर की अमीरी दिखाने के लिए बनाया गया। गिरजाघर को बनाने वाले लोगों ने कहा था कि-हम ऐसा गिरजाघर बनाएंगे, जिसे देखकर लोग हमें पागल कहेंगे। क्रिस्टोफर कोलंबस को इसी स्थान पर दफनाया गया था। सन् 1987 में यूनेस्को द्वारा इसे विश्व विरासत की सूची में स्थान दिया गया। इस गिरजाघर को विश्व का सबसे बड़ा कैथेड्रल शैली में बना गिरजाघर माना जाता है। दूसरा सबसे बड़ा और सुन्दर चर्च हैं-सेंट पीटर बेसिलिका। सेंट पीटर बेसिलिका चर्च इटली रोम में स्थित हैं। इस चर्च का निर्माण लगभग 100 वर्षो में पूरा हुआ। 1506 में पॉप जुलियस II ने इसका निर्माण का कार्य शुरू करवाया जो की 1615 में पॉल वी की देखरेख में पूरा हुआ। इस खुबसूरत चर्च का निर्माण तीन डिजाइन में किया गया है। क्रॉस पर एक गुम्बुन्द के साथ साथ एक लैटिन क्रॉस, ऊपर एक वेदी, जो ऊपर एक मंदिर को कवर करता हैं। जो इस इमारत का सबसे बड़ा तीर्थ स्थल हैं। इस चर्च का निर्माण का विचार पॉप निकोलस वी द्वारा लिया गया था। लेकिन निकोलस की मौत के पश्चात् इसका काम रुक गया था। फिर आगे चल कर पॉप जुलियस ने इसका निर्माण शुरू करवाया था।

यहां चाय के साथ सर्व होते है कीड़े-मकोड़े

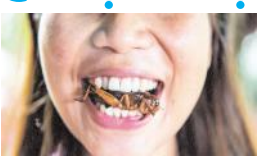

जहां ज्यादातर चाय को पकौड़े या बिस्किट के साथ सर्व किया जाता है वहीं दुनिया में कुछ ऐसे देश हैं, जहां चाय के साथ लोग कीड़े-मकोड़े खाना पसंद करते हैं। जी हां, चाय की किसकी के साथ कई तरह के कीड़ों को सर्व किया जाता है जिसे लोग चाव से खाते भी हैं। कई लोगों को इसे जानकर उबकाई आ जाएगी लेकिन असल में कुछ लोग इसे चाव से खाते हैं।

कंबोडिया- इस देश में चाय के साथ लोग भूनी हुई मकड़ी खाना पसंद करते हैं। रोस्टेड मकड़ी कई लोगों की पसंदीदा डिश है। इसे चाय के साथ स्नैक्स के तौर पर लिया जाता है।

साउथ कोरिया- वैसे तो सिल्कवर्म का इस्तेमाल रेशम के कपड़ों के निर्माण में किया जाता है। लेकिन साउथ कोरिया में इसे बड़े चाव से खाया जाता है। शाम के नाश्ते में लोग सिल्कवर्म को पका कर खाना पसंद करते हैं।

चीन-थाईलैंड- चीन तो कोरोना के बाद से ही कीड़े-मकौड़े खाने की लत के कारण बदनामी झेल चुका है। लेकिन इसके साथ ही थाईलैंड में भी लोग ऐसा करते हैं। हालांकि, चाय के साथ इन देशों के लोगों को बिच्छू खाना काफी पसंद है।

खेल-खिलाड़ी

मोहम्मद रिजवान की कप्तानी में पाकिस्तानी टीम ने किया कमाल, घर से बाहर जीती लगातार तीसरी ओडीआई सीरीज

स्पोर्ट डेस्क। मोहम्मद रिजवान ने जबसे पाकिस्तानी टीम की लिमिटेड ओवर्स फॉर्मेट में कप्तानी की जिम्मेदारी को संभाला है उसके बाद से टीम के प्रदर्शन में लगातार सुधार देखने को मिल रहा है। साउथ अफ्रीका के दौरे पर भले ही पाकिस्तान टीम को टी20 सीरीज में हार का सामना करना पड़ा हो लेकिन तीन मैचों की वनडे सीरीज के शुरुआती दोनों मुकाबलों में उन्होंने जीत हासिल करने के साथ सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। पाकिस्तानी टीम ने केपटाउन के मैदान पर खेले गए सीरीज के दूसरे मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.5 ओवर्स में 329 रनों का स्कोर बनाया था, तो वहीं इस टारगेट का पीछा करते हुए अफ्रीकी टीम 43.1 ओवर्स में 248 रनों के स्कोर पर सिमट गई। पाकिस्तानी टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ जहां वनडे सीरीज को अपने नाम कर लिया है तो वहीं रिजवान की कप्तानी में ये उनकी घर से बाहर लगातार तीसरी वनडे सीरीज जीत भी है। पाकिस्तान टीम ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया को उसके घर पर वनडे सीरीज में मात दी थी तो वहीं दूसरी वनडे सीरीज उन्होंने जिम्बाब्वे के दौरे पर जीती और अब तीसरी सीरीज में वह साउथ अफ्रीका को मात देने में कामयाब हुए हैं।

WTC 2025

डब्ल्यूटीसी 2024-25 के तीसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के साथ ड्रॉ खेलने के बाद भारत के पास डब्ल्यूटीसी 2025 के फाइनल में पहुंचने की बहुत कम संभावना

गाबा टेस्ट ड्रॉ के बाद डब्ल्यूटीसी 2025 फाइनल की रेस में बढ़ीं भारत की मुश्किलें, टीम इंडिया का पूरा समीकरण

● मंथन विदेश ब्यूरो

ब्रिस्बेन। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 दिसम्बर को ब्रिसबेन में खेले गए बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के तीसरे टेस्ट मैच में मुकाबला ड्रॉ रहा। इस नतीजे ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी 2025) के फाइनल की रेस को और दिलचस्प बना दिया है। हालांकि, इस ड्रॉ ने भारतीय टीम के पॉइंट्स पर्सेंटेज (पीसीटी) को प्रभावित किया है, जिससे फाइनल की राह थोड़ी मुश्किल हो गई है।

भारत की पॉइंट्स पर्सेंटेज में गिरावट

इस ड्रॉ के साथ भारत ने चार अंक जुटाए, जिससे टीम के कुल अंक 114 हो गए। हालांकि, भारत का पीसीटी 57.29 प्रतिशत से गिरकर 55.88 प्रतिशत हो गया। वर्ल्ड टेस्ट

चैंपियनशिप के मौजूदा चक्र में यह भारत का दूसरा ड्रॉ है। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया का पीसीटी भी 60.71 प्रतिशत से गिरकर 58.88 प्रतिशत हो गया। दक्षिण अफ्रीका 63.33 प्रतिशत के साथ पॉइंट्स टेबल में टॉप पर बना हुआ है, जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे और भारत तीसरे पोजीशन पर है।

टीम इंडिया का फाइनल में पहुंचने का समीकरण

भारतीय टीम के लिए अब वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल की दौड़ में बने रहना चुनौती बन गया है। अगर भारत को फाइनल में जगह बनानी है तो उसे बाकी बचे दो मैचों में हार से बचना होगा। भारत के लिए संभावित समीकरण:

दोनों मैच जीतना- अगर भारत दोनों टेस्ट जीत लेता है, तो टीम के 138 पॉइंट्स होंगे और पॉइंट्स पर्सेंटेज बढ़कर 60.52% हो जाएगी। इस स्थिति में भारत सीधे फाइनल में पहुंच जाएगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया फाइनल की दौड़ से बाहर हो जाएगा।

एक जीत और एक ड्रॉ- अगर भारत एक मैच जीतता है और एक ड्रॉ करता है, तो टीम के 130 पॉइंट्स हो जाएंगे और पॉइंट्स पर्सेंटेज 57.01% हो जाएगा। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका के खिलाफ सीरीज 2-0 से जीतनी होगी।

सीरीज 2-2 से ड्रॉ: अगर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म होती है तो भारत के 126 अंक और पॉइंट्स पर्सेंटेज 55.26 प्रतिशत हो जाएगा। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया जीत के साथ भारत से आगे निकल सकता है।

गाबा टेस्ट ड्रॉ के बाद वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स टेबल

रैंक	टीम	खेले	जीते	हारे	ड्रॉ	(PCT)
1	द. अफ्रीका	10	6	3	1	63.33%
2	ऑस्ट्रेलिया	15	9	4	2	58.88%
3	भारत	17	9	6	2	55.88%

वेस्टइंडीज विमेंस ने भारत को 9 विकेट से हराया, दूसरे टी-20 में हैली मैथ्यूज ने 85 रन बनाए, मंधाना की फिफ्टी, सीरीज 1-1 से बराबर

● मंथन संवाददाता

नवी मुंबई। वेस्टइंडीज विमेंस टीम ने इंडिया विमेंस को दूसरे टी-20 में 9 विकेट से हरा दिया। नवी मुंबई के डीवाय पाटिल स्टेडियम में टीम ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। भारत ने 9 विकेट खोकर 159 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने 1 ही विकेट के नुकसान पर 15.4 ओवर में टारगेट हासिल कर लिया। वेस्टइंडीज से कप्तान हैली मैथ्यूज ने 47 बॉल पर 85 रन बनाए। इस प्रदर्शन के लिए वह प्लेयर ऑफ द मैच बनीं। भारत से स्मृति मंधाना ने 62 रन की पारी खेली। दूसरे टी-20 के नतीजे के बाद 3 मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। भारत ने पहला मैच 49 रन से जीता था। तीसरा मैच 19 दिसंबर को नवी मुंबई में ही होगा।

भारत की शुरुआत खराब मंगलवार को टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी इंडिया विमेंस की शुरुआत खराब रही। उमा छेत्री 4, जेमिमा रोड्रिग्ज 13 और राघवी बिष्ट 5 ही रन बनाकर आउट हो गईं। मंधाना एक एंड पर टिक गईं, उन्होंने दीप्ति शर्मा के साथ 56 रन की पार्टनरशिप की।

स्मृति मंधाना ने लगातार दूसरे टी-20 में फिफ्टी लगाई

4 बॉलर्स को 2-2 विकेट मिले मंधाना 62 रन बनाकर आउट हुईं, उनके बाद दीप्ति भी 17 ही रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। ऋचा घोष ने 32 रन बनाकर स्कोर 159 तक पहुंचा दिया। बाकी बैटर्स कुछ खास नहीं कर सकीं। वेस्टइंडीज से शिनेले हेनरी, डिएंड्रा डॉटिन, हैली मैथ्यूज और एफी फ्लेचर ने 2-2 विकेट लिए। करिश्मा रामहरक और अशिनी मुनिसार कोई विकेट नहीं ले सकीं। वेस्टइंडीज की विस्फोटक शुरुआत 160 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज को दोनों ओपनर्स ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। किआना जोसेफ ने महज 22 गेंद पर 38 रन बना दिए। उनकी पारी में 6 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। वह 7वें ओवर में आउट हुईं। 68 रन पर पहला विकेट गिरने के बाद शेमाइन कैम्पबेल ने संभलकर पारी आगे बढ़ाई। दूसरे एंड पर मैथ्यूज ने बाउंड्री लगाना शुरू कर दिया। उन्होंने 17 चौके लगाकर 85 रन बनाए और टीम को 16वें ओवर में ही जीत दिला दी। कैम्पबेल 29 रन बनाकर नॉटआउट रहीं।

विजय हजारे ट्रॉफी के लिए पृथ्वी शॉ को क्यों नहीं चुना गया? जानिए एमसीए ने क्या कहा

स्पोर्ट डेस्क। विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 के लिए मुंबई ने अपने स्क्वॉड का ऐलान कर दिया। इस स्क्वॉड में पृथ्वी शॉ को जगह नहीं मिली। अब एमसीए ने बताया कि पृथ्वी शॉ को विजय हजारे ट्रॉफी के लिए क्यों नहीं चुना गया? एमसीए के सूत्रों ने कहा कि पृथ्वी शॉ के साथ फिटनेस की समस्या रही है। इसके अलावा उन्होंने अपने प्रदर्शन से निराश किया है। इस खिलाड़ी को अपने फिटनेस पर काम करना चाहिए। साथ ही क्रिकेट मैदान पर बेहतर प्रदर्शन करना होगा। एमसीए का मानना है कि पृथ्वी शॉ के साथ सबसे बड़ी समस्या खराब फिटनेस है। एमसीए के सूत्रों ने कहा कि अगर आप मैच देखेंगे तो सही और वास्तविक स्थिति जान पाएंगे।